Impact Factor 2.147

ISSN 2349-638x

Refereed And Indexed Journal

AAYUSHI INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL (AIIRJ)

Monthly Publish Journal

VOL-III | ISSUE- XII | Dec. | 2016

Address
•Vikram Nagar, Boudhi Chouk, Latur.
•Tq. Latur, Dis. Latur 413512
•(+91) 9922455749, (+91) 9158387437

Email
•aiirjpramod@gmail.com

Website
•www.aiirjournal.com

CHIEF EDITOR – PRAMOD PRAKASHRAO TANDALE

भारतीय संस्कृति में अध्यापक की भूमिका

Anita Raj
Assistant Professor
Department of Hindi
Gopichand Arya Mahila College, Abohar

भारतीय शिक्षा एवमं प्रबंधन की बातचीत करें तो हमारा इतिहास इस बात की गवाही देता है कि भारतीय संस्कृति में गुरूजनों का पद सबसे उंचा माना जाता रहा है। प्राचीन समय में अध्यापक को 'गुरू' का दर्जा प्राप्त था। बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरूकुल जाते थे। जो गुरू उन्हें कार्य देता था तथा कहता था उसे पूरे आदर तथा भाव के साथ करते थे। आज के समय में भी यही प्रथा चली आ रही है। फर्क केवल इतना है कि अब शिक्षा दूर जंगलों गुरूकुलों में नहीं बल्कि अच्छे स्कूलों में पूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाकर दी जा रही है। अध्यापक की भूमिका विशेष तौर पर बालक के सर्वांगीण विकास में महत्त्व रखती है क्योंकि एक आर्दश अध्यापक आप ही रोल मॉडल बनकर छात्रों के सामने आता है। छात्र जब अध्यापक को एक कार्य करते हुए देखता है तो उसे कॉपी करने की कोशिश करता है। ऐसे में अध्यापक का यह फर्ज बनता है कि वह बालक के सामने ऐसा कार्य करे। जिससे बालक में साकारात्मक दृष्टिकोण पैदा हो तथा वह राष्ट्रीय निर्माण में अपना विशेष योगदान प्रदान करें।

अध्यापक छात्रों के भविष्य का निर्माणकर्ता होता है। बालक अधिकांश समय स्कूल में व्यतीत करता है। ऐसे में जो क्रियाऐं अध्यापक द्वारा करवाई जाती है। बालक उसे शीघ्रता से ग्रहण करता है। चाहे वे बालक के लिए उपयोगी हो चाहे न हो। एक आदर्श अध्यापक को परमात्मा के बाद दूसरा स्थान दिया जाता है। एक आदर्श अध्यापक बालकों में अच्छी रूचियों का विकास करता है। वह बालक का चरित्र निर्माण तथा अच्छी आदतों का विकास करता है। अलग–अलग विद्वानों ने अध्यापक संबंधी अलग–अलग धारणाएं दी।

डा. राधा कृष्ण – 'अध्यापक वह प्रकाश है जो आने वाली संस्कृति के चिराग को रोशन करता है।

श्रीमती इंदिरा गाँधी – ''अध्यापक राष्ट्र के भविष्य का रक्षक है''।

सीजेक के अनुसार – ''अध्यापक विनम्र तथा साधारण व्यक्तित्व वाला होना चाहिए जो बालक को परमात्मा के एक अजूबे के रूप में देखता हो''।

हमायूं कबीर के अनुसार – ''वास्तव में अध्यापक राष्ट्र की किस्मत का निर्माता होता है।

एक अच्छा अध्यापक बालक को आने वाले जीवन संबंधी कठिनाईयों तथा समस्याओं का निडरतापूर्वक सामना करने के लिए प्रेरित करता है। वह समाज में अपना अच्छा रूतबा बनाता है तथा बालक को अच्छा सामाजिक प्राणी बनने के लिए प्रेरित करता है। एक अच्छे तथा कुशल अध्यापक के गुणों का वर्णन निम्नलिखित प्रकार है :–

आदर्श व्यक्तित्व Ideal Personaliy :– व्यक्तित्व से भाव बाहरी व्यक्तित्व से नहीं लिया जाता। इसमें बाहरी वेशभूषा, रूप–रंग, आयु तथा कद आदि जैसी खुबियों को ही केवल महत्त्व नहीं दिया जाता। इसमें व्यक्ति के आंतरिक गुणों जैसे वो दिल का कैसा है, समाज में उसका रूतबा कैसे है और दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करता है। इसके साथ वो सामाजिक, बौद्धिक, मानसिक तथा शारीरिक रूप से कितना विकसित है जैसे गुणों से जाना जाता है। अगर एक अध्यापक में ऐसे गुण विद्यमान होंगे तो ही वे छात्रों के सर्वांगीण विकास कर पायेगा। एक अच्छे अध्यापक का सबसे पहला गुण उच्च या आदर्श व्यक्तित्व का मालिक होना है।

साकारात्मक दृष्टिकोण Positive thinking / optimistic :–एक आदर्श अध्यापक का साकारात्मक होना बहुत जरूरी है क्योंकि अगर छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना है तथा उसे आने वाले प्रतियोगिता के इस युग के लिए तैयार करना है तो उनमें साकारात्मक दृष्टिकोण का विकास एक कुशल अध्यापक ही करता है। कार्य करते समय समस्याओं से डरकर भागने की बजाए उनका डटकर मुकाबला करने के गुण भी छात्र में अध्यापक द्वारा डाले जा

सकते हैं। ऐसा तब ही हो सकता है जब अध्यापक की खुद की सोच साकारात्मक होगी।

छात्रों से प्रेम करने वाला Loving :– अध्यापक का व्यवहार इस प्रकार का होना चाहिए कि वे छात्रों का मन मोह ले। क्योंकि छात्र एक कोरी स्लेट के समान होते हैं। उनसे जितना प्रेम से कार्य लिया जाए वे उस तरह से जल्दी तथा प्रसन्नतापूर्ण कार्य करते हैं। एक अच्छे अध्यापक का यह विशेष गुण है कि वे सब छात्रों से मधुर स्वरों का प्रयोग करके बात करे और प्रेम की भावना से भरपूर हो।

विषय विशेषज्ञ Expert in Subject :– एक आदर्श अध्यापक उसे कहा जाता है जो पढ़ाने वाले विषय का विशेषज्ञ हो। जिसको अपने विषय में पूर्ण रूचि हो तथा अपने विषय में माहिर हो। जो अपने विषय संबंधी आने वाली समस्याओं को झट से दूर करने की क्षमता रखता हो। अगर अध्यापक अपने विषय से खुद ही परिचित नहीं है तो वे बालकों के लिए अच्छा मार्गदर्शन नहीं कर पाएंगें।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण Scientific Attitude :– एक अच्छे अध्यापक को वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाला होना चाहिए। क्योंकि छात्रों का मन चंचल होता है। जब उनके द्वारा अध्यापक को कोई प्रश्न पूछा जाता है तो एक आदर्श अध्यापक होने के नाते वो छात्र को किसी वस्तु को विस्तार से वर्णन उसकी अच्छी परख तथा नियम तथा लाभ–हानियां बता पाएगा। इसके उलट अगर अध्यापक आप में ही उलझा हुआ है वह बाहरी आडम्बरों तथा भ्रम में डूबा है तो वे बालकों को आने वाले जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार नहीं कर पाएगा।

शिक्षण कौशलों का ज्ञान Knowledge of teaching skills :– एक अध्यापक में शिक्षण कौशलों का ज्ञान होना आवश्यक है। अगर अध्यापक को शिक्षण कौशलों का ज्ञान होगा तो वह अपने विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा दे सकेगा। एक अच्छा अध्यापक बनने के लिए अध्यापक को चार कौशल सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना इनके बारे में पूर्व ज्ञान होना चाहिए। अगर एक अध्यापक को इन कौशलों के बारे में पूर्ण ज्ञान नहीं है तो वह एक अच्छा अध्यापक नहीं बन सकता।

हास–रस Humorous :– एक अच्छे अध्यापक को पढ़ाई के साथ–साथ अपने विषय में हास–रस भी पैदा करना चाहिए। इससे बच्चों की पढ़ाई में रूचि बनी रहती है। वह अध्यापक द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषय को रूचि से पढ़ते हैं और थकावट महसूस नहीं करते। इससे बच्चों का मानसिक विकास भी होता है।

लोकतंत्र विचारों वाला Democratic :– एक आदर्श अध्यापक लोकतंत्र विचारों वाला होना चाहिए। वह बच्चों को एक समान समझने वाला हो। बच्चों में भेद–भाव न करने वाला हो। वह अलग–अलग विधियों से पढ़ाए तथा उसके पढ़ाने की विधि बाल केंद्रित हो। वह चार्ट, मॉडल आदि का प्रयोग करता हो।

अनुशासन प्रिय Disciplined :– अगर एक आदर्श अध्यापक कक्षा में अच्छा पढ़ाएगा तो कक्षा में अनुशासन बना रहेगा। अध्यापक समय का पूरा पाबंद होना चाहिए। अगर एक अच्छा अध्यापक अनुशासनशील होगा तो वह बच्चों को अनुशासन में रहने की शिक्षा देगा। इसके साथ–साथ बच्चों और अध्यापक में आपसी तालमेल बना रहेगा।

देश–भक्ति की भावना वाला Patriot :- एक आदर्श अध्यापक में देश–भक्ति की भावना होनी चाहिए। अध्यापक में देश के प्रति अच्छी भावना के साथ–साथ देश–भक्ति के गुण भी होने चाहिए। अच्छे अध्यापक को बच्चों को देश–भक्ति के प्रति नाटक, आदि करवाने चाहिए। देश के पाठ के साथ–साथ पढ़ाना चाहिए।

उच्च दर्शन शास्त्र Higher Philosophy :- अगर अध्यापक का जीवन उच्च स्तर का होगा तो वह बच्चों का अच्छा मार्गदर्शक बन सकता है। अध्यापक समय–समय पर अपना अच्छा दर्शन–शास्त्र लोगों में बांटेगा तथा खुद भी अच्छे रास्ते पर चलेगा तभी वह उच्च दर्शन–शास्त्री बन सकेगा।

मार्गदर्शक True Guide :- एक अध्यापक ऐसा होना चाहिए की वह बच्चों को समय–समय पर सही रास्ता बताता रहे। अध्यापक में ऐसे गुण होने चाहिए जिससे बच्चों का मार्गदर्शक हो। एक अच्छा अध्यापक ही हर समय पर बच्चों की राह में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकता है।

मनोवैज्ञानिक Psychologist :- एक अध्यापक ऐसा होना चाहिए कि वह बच्चों के मन के भावों को समझ सके और उनके मानसिक स्तर के अनुसार ही उनको शिक्षा दे। अध्यापक बच्चों के मन की उत्तेजना के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

समाजिक भावना वाला Social :- अध्यापक को समाजिक भावनाओं वाला होना चाहिए। अगर अध्यापक में समाज के प्रति अच्छी भावनाएं होगीं तो ही वह बच्चों को समाज में फैली कुरीतियों तथा उनकी रोकथाम के बारे में बता सकेगा। एक अध्यापक में मिलवर्तन, सहनशीलता, ईमानदारी जैसे गुण होंगे तो ही वह ऐसे गुण बच्चों में पैदा कर सकेगा।

कला में निपुण Expert in Art :- एक अच्छे अध्यापक को अपने विषय में पूर्ण निपुण होना चाहिए। एक अध्यापक को विषय के पढ़ाने के ढ़ंग तथा माध्यम के बारे में पूरा ज्ञान होना चाहिए। अगर अध्यापक अपने विषय में पूर्ण निपुण न होगा तो वह बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे सकेगा।

दयालु तथा परिश्रमी Kind hearted & Hardworker :- एक अध्यापक को दयालु तथा परिश्रमी होना जरूरी है। तभी छात्र अपनी समस्याओं को अध्यापक के सामने रख सकेंगे और अध्यापक उनकी समस्याओं का हल कर सकेगा। अध्यापक करूर स्वभाव का नहीं होना चाहिए। अध्यापक और बच्चों में मित्रता के संबंध होना चाहिए।

सहनशीलता Sypathetic :- अध्यापक का स्वभाव सहनशीलता वाला होना चाहिए। अध्यापक का बच्चों के प्रति दया, प्रेम, हमदर्दी के भाव होने चाहिए। एक सहनशील अध्यापक ही बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकता है।

मुख्य अध्यापक तथा अभिभावकों से अच्छे संबंध Good relation with teachers & Head master :- एक अच्छा अध्यापक बनने के लिए अपने साथी अध्यापक, मुख्य अध्यापक तथा अभिभावकों के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए। अध्यापक में सभी के प्रति सहयोग की भावना होनी चाहिए।

उच्च कलात्मक शक्ति High Imaginery Power :- एक कला अध्यापक में उच्च कलात्मक शक्ति होनी चाहिए क्योंकि कलात्मक शक्ति ही कला का आधार है। इससे अध्यापक की कलात्मक शक्तियों के साथ–साथ मानसिक विकास भी होता है।

उच्च योग्यता High Qualified :- एक अच्छा अध्यापक उच्च योग्यता वाला होना चाहिए। अध्यापक में जितनी उच्च योग्यता होगी। वह उतने ही उच्च विचारों वाला होगा। उच्च योग्यता वाला अध्यापक बच्चों का सर्व उच्च विकास करने में सहायता प्रदान कर सकेगा। उच्च योग्यता के साथ–साथ अपने में भी अच्छे गुण होने चाहिए। अगर अध्यापक में उच्च योग्यता होगी तो वह अपने विषय में निपुण हो सकता है।

अंत में कहा जा सकता है कि बालक के जीवन में अध्यापक की भूमिका माता–पिता से भी अधिक मानी जाती है। अगर एक अध्यापक आप एक आदर्श बनकर बच्चे के आगे पेश आए तो अधिकांश बच्चे अध्यापक के चरित्र से ही प्रभावित होते हैं तथा तथा उनके जैसा बनने की कोशिश करते हैं। इस तरह अध्यापक बालकों के भविष्य निर्माता होते हैं।

Refrences

- http://hindimind.in/short-story-importance-of-teacher-in-hindi/
- Barr, A. S. (1958). Characteristics of successful teachers. *Phi Delta Kappan*, 39, 282-284.
- Pianta, R. C. (1999). *Enhancing relationships between children and teachers.*
- Washington, DC: American Psychological Association.
- Lee, S. J. (2007). The relations between the student-teacher trust relationship and school success in the case of Korean middle schools. *Educational Studies*, *33*(2), 209-216.